

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
23.07.2015 को राज्य सभा में  
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 322  
परमाणु संयंत्रों में यूरेनियम की मांग तथा आपूर्ति

322. श्री प्रमोद तिवारी :  
श्री के. सी. त्यागी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में यूरेनियम की मांग और आपूर्ति में अंतर है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ख) परमाणु परियोजनाओं के निर्बाध कार्यकरण हेतु यूरेनियम की मांग को पूरा करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय ( डॉ. जितेन्द्र सिंह ) :

- (क) जी, नहीं। देश में, 5780 मेगावाट-ई की स्थापित उत्पादन क्षमता वाले 21 नाभिकीय विद्युत रिएक्टर प्रचालनरत हैं। कुल 3380 मेगावाट स्थापित क्षमता वाले तेरह (13) रिएक्टर यथा तारापुर, महाराष्ट्र स्थित तारापुर परमाणु बिजलीघर-1 तथा 2; रावतभाटा, राजस्थान स्थित राजस्थान परमाणु बिजलीघर-2 से 6; ककरापार, गुजरात स्थित ककरापार परमाणु बिजलीघर-1 तथा 2; नरोरा, उत्तर प्रदेश स्थित नरोरा परमाणु बिजलीघर-1 तथा 2; तथा कलपाक्कम, तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना-1, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षापायों के अधीन हैं, तथा इनमें आयातित ईंधन को काम में लाया जा सकता है। ये रिएक्टर अपनी निर्धारित विद्युत क्षमता पर कार्य कर रहे हैं। तथापि, रावतभाटा, राजस्थान स्थित एक रिएक्टर (100 मेगावाट) राजस्थान परमाणु बिजलीघर-1, तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन के लिए विस्तृत शटडाउन की अवस्था में है।

कुल 2400 मेगावाट स्थापित क्षमता वाले आठ (8) रिएक्टरों, यथा तारापुर, महाराष्ट्र स्थित तारापुर परमाणु बिजलीघर-3 तथा 4; चेन्नई के निकट मद्रास परमाणु बिजलीघर-1 तथा 2; कैगा, कर्नाटक स्थित कैगा विद्युत उत्पादन केन्द्र -1 से 4; में स्वदेशी ईंधन काम में लाया जाता है। वर्तमान में, उनका प्रचालन, ईंधन की उपलब्धता के अनुरूप उनकी निर्धारित विद्युत क्षमता के निकटतम स्तर पर किया जा रहा है।

- (ख) सरकार ने, नई खानें तथा संसाधन सुविधाएं खोलकर, स्वदेशी यूरेनियम की आपूर्ति को बढ़ाने का प्रयास किया है, जिसके परिणामस्वरूप, स्वदेशी ईंधन का उपयोग करने वाले रिएक्टरों के मामले में, मांग-आपूर्ति के बीच अंतर कम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की क्षमता के उपयोग में उत्तरोत्तर सुधार परिलक्षित हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सुरक्षापायों के अधीन आने वाले रिएक्टरों के लिए ईंधन की आवश्यकता पूरी करने हेतु यूरेनियम के आयात के लिए मैसर्स नावोई माइनिंग एंड मेटालर्जिकल कॉम्बिनेट स्टेट कम्पनी (एनएमएमसी), उजबेकिस्तान; मैसर्स जेएससी, ट्वेल कारपोरेशन, रूस; मैसर्स एनएसी, कज़ाटॉमप्रॉम, कज़ाखिस्तान, तथा मैसर्स केमिको, कनाडा के साथ करारों पर हस्ताक्षर किए गए।